ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

डॉ. जयन्त उपाध्याय प्रो. अशोक कुमार चटर्जी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित

वर्धा, 14 जून 2024: कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर (कश्मीर) के तत्त्वावधान में 10 से 12 जून, 2024 को आयोजित अखिल भारतीय दर्शन-परिषद् के 68 वें अधिवेशन के अवसर पर डॉ. जयन्त उपाध्याय को प्रो. अशोक कुमार चटर्जी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कश्मीर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निलोफ़र खान ने पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय दर्शन-परिषद् के अध्यक्ष प्रो. जटाशंकर, महासचिव प्रो. ज्योतिस्वरूप दुबे सहित पूरे देश से लगभग 500 प्रतिभागियों ने 68 वें

अधिवेशन भाग लिया। डॉ. जयन्त उपाध्याय दर्शन एवं संस्कृति विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के एसोशिएट प्रोफेसर हैं। अखिल भारतीय दर्शन परिषद् 1954 से लेकर आज तक इस देश के कोने- कोने तक अपने को विस्तारित करने के प्रयास में अपने जीवन की निरन्तरता और गतिशीलता बनाये हुये है। सम्भवतः हिंदी माध्यम से दार्शनिक चिंतन को बढ़ावा देने वाला इसके अतिरिक्त अखिल भारतीय स्तर का कोई दूसरा मंच अथवा संगठन नहीं है। स्वतंत्रता के सतहत्तर वर्ष बाद भी सम्भवतः एक अपवाद-रूप ही बना हुआ है, क्योंकि साहित्य के अतिरिक्त किसी अन्य शास्त्र या विज्ञान के क्षेत्र में हिंदी भाषा को ही माध्यम बनाने वाली यही एकमात्र संस्था है।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

डॉ. जयंत उपाध्याय यांनाप्रो. अशोक कुमार चॅटर्जी स्मृती पुरस्कार प्रदान

वर्धा, 14 जून, 2024: काश्मीर विद्यापीठ, श्रीनगर यांच्या विद्यमाने 10 ते 12 जून 2024 या कालावधीत आयोजित अखिल भारतीय तत्त्वज्ञान परिषदेच्या 68 व्या अधिवेशनाच्या निमित्ताने डॉ. जयंत उपाध्याय यांना प्रो. अशोक कुमार चॅटर्जी स्मृती पुरस्काराने सन्मानित करण्यात आले. काश्मीर विश्वविद्यालयाचे कुलगुरू प्रो. निलोफर खान यांच्या हस्ते पुरस्कार प्रदान करण्यात आला. यावेळी अखिल भारतीय तत्त्वज्ञान परिषदेचे अध्यक्ष प्रो. जटाशंकर, सरचिटणीस प्रो. ज्योतिस्वरूप दुबे यांच्यासह देशभरातील सुमारे 500 स्पर्धक 68 व्या अधिवेशनात सहभागी झाले होते. डॉ. जयंत उपाध्याय हे महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा येथील दर्शन व संस्कृती विभागाचे एसोशिएट प्रोफेसर आहेत. अखिल भारतीय दर्शन परिषद 1954 पासून आजपर्यंत या देशाच्या कानाकोपऱ्यात स्वतःचा विस्तार करण्याच्या प्रयत्नात आपल्या जीवनात सातत्य आणि गतिमानता राखत आहे. बहुधा हिंदी माध्यमातून तात्विक विचारांचा प्रसार करणारे अखिल भारतीय स्तरावर दुसरे कोणतेही व्यासपीठ किंवा संस्था नाही. स्वातंत्र्याच्या बहात्तर वर्षांनंतरही कदाचित याला अपवाद राहिलेला आहे, कारण साहित्याव्यतिरिक्त इतर कोणत्याही शाखेच्या किंवा विज्ञानाच्या क्षेत्रात हिंदी भाषेला माध्यम बनवणारी ही एकमेव संस्था आहे.